

भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा

प्रलिस के लयल:

[रूस-यूक्रेन संघर्ष](#), [भारत हेल्थ इनशिएटलव फॉर सहयोग](#), [हलतल एंड मैतुरी- BHISHM](#), [मोबाइल असपताल](#), [प्रोजेकट आरोग्य मैतुरी](#), [भारत की वदलश नीतल](#), [सुरजमुखी तेल](#), [तलवार शरणी फरगलट](#), [रकषा अनुसंधान एवं वकलस संगठन \(DRDO\)](#), [अनुचछेद 370](#) |

मेन्स के लयल:

भारत-यूक्रेन संबंधों का महत्त्व और रूस एवं पश्चिमी देशों के बीच संबंधों में संतुलन

[सुरोत: द हदु](#)

भारत के प्रधानमंत्री ने यूक्रेन के राष्ट्रपतल के नमलतुरण पर यूक्रेन का दौरा कयल। वर्ष 1991 में यूक्रेन की स्वतंत्रता के बाद से यह यूक्रेन का दौरा करने वाला पहला भारतीय राष्ट्रसधकष थल।

- यह यात्रा रकषा कषेतुर में सहयोग पर केंदुरतल थी कुर्योकल भारत के पास यूक्रेनी मूल के सैन्य उपकरणों का वशलाल भंडार है।

भारत के प्रधानमंत्री की यूक्रेन यात्रा से मुख्य तथ्य क्या हैं?

- रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख का स्पष्टीकरण:** भारत के प्रधानमंत्री ने इस बात पर जुरोर दयल कलरल [रूस-यूक्रेन संघर्ष](#) में भारत कभी भी तटस्थ नहीं रहा है और हमेशा शांतल के पकष में खड़ा रहा है।
 - भारत संघर्ष के शीघुर समाधान के लयल वुावहारकल समाधान खोजने हेतु सभी हतलधारकों से भागीदारी का आग्रह करता है।
- अंतर-सरकारी आयोग का गठन:** भारत और यूक्रेन के बीच द्वपलकषीय वाणजल्यकल एवं आर्थकल संबंधों को पूरव-संघर्ष स्तर पर बहाल करने तथा प्रगाढ करने के लयल एक अंतर-सरकारी आयोग का गठन कयल गया है।
 - वर्ष 2021-22 में द्वपलकषीय वुापाार 3.386 बलललन अमेरकी डॉलर तक पहुँच गया है।
- चार प्रमुख समझौतों पर हस्ताकषर:** दोनों देशों ने कषुषल, खादुय उदुयोग, चकलतलसल उत्पाद वनललयमन और सांसुकृतकल सहयोग जैसे कषेतुरों को शामिल करने वाले चार समझौतों पर हस्ताकषर कयल।
 - समझौतों का उददेशुय कषुषल और खादुय उदुयोग में सहयोग को बढ़ावा देना, चकलतलसल उत्पादों को वनललयमल करना, मानवीय अनुदान सहायता प्रदान करना तथा दोनों देशों के बीच सांसुकृतकल संबंधों को मजबूत करना है।
- यूक्रेन को भीषम क्युब उपहार में दयल:** भारत ने यूक्रेन को चार [भारत हेल्थ इनशिएटलव फॉर सहयोग](#), [हलतल एंड मैतुरी \(BHISHM\)](#) क्युब उपहार में दयल, जलनलहें [मोबाइल असपतालों](#) के माधुयम से आपातकालीन चकलतलसल देखभाल प्रदान करने के लयल डजललन कयल गया है।
 - ये क्युबस [प्रोजेकट आरोग्य मैतुरी](#) का हसलसल है, जो महत्त्वपूरण चकलतलसल आपूरतल प्रदान करने और संकट की स्थतलथलियों में चकलतलसल सुवधलओं की तेजुी से तैनातल सुनशलचतल करने का एक कार्यक्रम है।
- शहीदों के प्रतल भारमकल समैक्य/एकजुटता:** प्रधानमंत्री ने कीव में यूक्रेन के राष्ट्रीय इतलहलस संगुरहालय में शहीद बच्चों की स्मृतल में आयोजतल मलटीमीडलल प्रदरशनी का दौरा कयल। युद्ध में अपनी जान गँवाने वाले बच्चों की याद में आयोजतल मारमकल प्रदरशनी से अतुयधकल मरुमाहत हुए।
 - उन्होंने बच्चों की दुःखद मृतु पर दुःख वुयकत कयल और समुमान के तुरौर पर उनकी स्मृतल में एक खलललना अरुपतल कयल।
- राष्टुरपतल ज़ेलेंसुकी को आमंत्रण:** भारत के प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी राष्ट्रपतल को भारत यात्रा के लयल आमंत्रतल कयल, जो वर्ष 1991 के बाद से यूक्रेन की उनकी पहली यात्रा के दौरान एक महत्त्वपूरण संकेत थल।

भारत-यूक्रेन संबंधों की गतशीलता क्या है?

- ऐतलहलसकल यात्रा:** शुरी नरेंदुर मोदी वर्ष 1992 में राजनयकल संबंध स्थापतल होने के बाद से यूक्रेन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधान मंतुरी हैं। वर्ष 1991 में [सुवयलत संघ](#) के पतन के बाद यूक्रेन को स्वतंत्रता मललने के बाद भारत उसे मानुयता देने वाले देशों में से एक थल।
- पारंपरकल वदलश नीतल से प्रसुथान:** ऐतलहलसकल रूप से भारत ने [सुवयलत संघ](#) (रूस के पूरववर्तुी) के साथ घनषलट संबंध बनाए रखे और यूक्रेन के साथ उसका कम जुड़ाव थल।

- यह यात्रा यूरोप के साथ संबंधों को बढ़ाने की भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जो यूरोप के चार बड़े देशों यानी रूस, जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के साथ संबंधों पर केंद्रित वगित संकीर्ण फोकस से परे आगे बढ़ रही है।
- यह यात्रा **भारत की वदिश नीति** में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जो **मध्य और पूर्वी यूरोप** के साथ व्यापक जुड़ाव को दर्शाती है।
- **द्विपक्षीय संबंधों में नए अवसर:** वदिश मंत्री और **राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार** के यूक्रेनी समकक्षों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में वृद्धि हुई है।
- **सामरिक हति: गैस टरबाइन** और वमिन जैसी रक्षा प्रौद्योगिकी में यूक्रेन की विशेषज्ञता भारत में सहयोग एवं संयुक्त वनरिमाण के अवसर परदान करती है।
- **आर्थिक अवसर:** वशिव की कृषि शक्तियों में से एक के रूप में यूक्रेन की शक्ति से आने वाले वर्षों में इसकी सामरिक प्रमुखता में वृद्धि होगी।
- युद्ध-पूर्व यूक्रेन भारत के लिये **सुरजमुखी तेल** के सबसे बड़े स्रोतों/नरियातकों में से एक था।
- **स्वतंत्र वदिश नीति:** यूक्रेन के साथ भारत का समन्वय रूस के साथ उसके संबंधों को कमज़ोर नहीं करती है, जो **भारत की तटस्थ नीति** को दर्शाती है।

भारत के रक्षा क्षेत्र के लिये यूक्रेन क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **सोवियत युग के उपकरण:** भारत के पास सोवियत युग के रक्षा उपकरणों का एक महत्त्वपूर्ण भंडार है जिनका अभी भी परचालन हो रहा है, जिसमें भारतीय नौसेना के युद्धपोतों के लिये **गैस टरबाइन इंजन** और भारतीय वायु सेना (IAF) द्वारा संचालित **An-32 वमिन** शामिल हैं।
- **भारतीय वायु सेना:** जून 2009 में भारत ने यूक्रेन के **स्पेट्सटेकनोएक्सपोर्ट (STE)** के साथ **105 AN-32 वमिनों** के अपने बेड़े को अपग्रेड करने, उनके जीवनकाल को 40 वर्ष तक बढ़ाने और उनके एवियोनिक्स में सुधार करने के लिये 400 मिलियन अमरीकी डॉलर के समझौते पर हस्ताक्षर किये।
 - भारतीय वायुसेना हमारी उत्तरी सीमा पर तैनात सेना के जवानों के हवाई रखरखाव, **एयर कार्गो ड्रॉप-ऑफ** और पैरा ड्रॉप-ऑफ के लिये **AN-32 पर बहुत अधिक नरिभर** है।
- **भारतीय नौसेना:** यूक्रेन गोवा शिपियार्ड लमिटिड (GSL) में दो एडमरिल ग्रगिरोवचि-क्लास फ्रगिट के नरिमाण के लिये महत्त्वपूर्ण घटकों की आपूर्ति कर रहा है।
 - इसका प्रभाव विशेष रूप से भारतीय नौसेना पर पड़ा है, क्योंकि इसके **30 से अधिक अग्रणी युद्धपोत** यूक्रेन की **ज़ोर्या मेशप्रोएक्ट (Zorya-Mashproekt)** द्वारा नरिमति इंजनों से संचालित होते हैं।
 - यूक्रेन की सरकारी स्वामित्व वाली ज़ोर्या मेशप्रोएक्ट **तलवार श्रेणी के फ्रगिट/युद्धपोतों** द्वारा इस्तेमाल किये जाने वाले गैस टरबाइनों के संयुक्त नरिमाण के लिये भारतीय नज़ी क्षेत्र की कंपनियों के साथ वार्ता कर रही है।
- **रक्षा व्यापार:** वर्ष 2019 में **बालाकोट हवाई हमले** के बाद IAF ने अपने **SU-30MKI लडाकू वमिनों** के लिये यूक्रेन से **R-27 एयर-टू-एयर मारक मिसाइलों** की आपातकालीन खरीद की।
 - फरवरी 2021 में एयरो इंडिया में यूक्रेन ने 70 मिलियन अमरीकी डॉलर के चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये जिसमें नए आयुधों की बिक्री के साथ-साथ भारतीय सैन्य सेवा में मौजूदा आयुधों का रखरखाव और उन्नयन शामिल है।
- **भारतीय रक्षा उद्योग को बढ़ावा:** भारतीय रक्षा उपकरण बाज़ार में अपनी उपस्थिति को प्रबल करने के प्रयासों के अलावा यूक्रेन का लक्ष्य भारत से कुछ सैन्य हार्डवेयर खरीदना है।
 - यूक्रेन ने अनुसंधान और वकिसा में संभावित सहयोग के लिये **रक्षा अनुसंधान और वकिसा संगठन (DRDO)** के साथ भी चर्चा की।

भारत-यूक्रेन संबंधों में क्या समस्याएँ हैं?

- **रूस-यूक्रेन युद्ध:** चल रहा रूस-यूक्रेन युद्ध यूक्रेन और उसके पश्चिमी भागीदारों के साथ भारत के संबंधों में लगातार समस्याएँ उत्पन्न कर रहा है।
 - भारत ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण पर तटस्थ रुख बनाए रखा है, कूटनीति और संवाद का समर्थन करते हुए मास्को की सीधी नदि से परहेज़ किया है।
 - भारत ने रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतबंधों में शामिल होने से मना कर दिया है और रियायती मूल्य पर रूसी ईंधन खरीदना शुरू कर दिया है।
 - भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के उस प्रस्ताव पर मतदान से काफी हद तक परहेज़ किया है, जिसमें यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की नदि की गई थी।
- **आपूर्ति शृंखला में रुकावटें:** युद्ध ने महत्त्वपूर्ण रक्षा उपकरणों की आपूर्ति शृंखलाओं को बाधित कर दिया। उदाहरण के लिये, यूक्रेनी कारखानों पर संघर्ष के प्रभाव के कारण भारतीय वायु सेना के An-32 वमिन के उन्नयन में देरी हुई है।
 - रूस ने भारत को एस-400 ट्रायम्फ वायु रक्षा प्रणाली के शेष दो सक्वाड्रन की डलिवरी अगस्त 2026 तक के लिये टाल दी है।
- **कश्मीर पर यूक्रेन का रुख:** कश्मीर मुद्दे पर यूक्रेन की सामयिक टपिपणियाँ और रुख दोनों देशों के बीच टकराव का स्रोत रहे हैं।
 - वर्ष 2019 में भारत द्वारा **अनुच्छेद 370** को नरिसूत करने के बाद यूक्रेन ने **जम्मू और कश्मीर की स्थिति पर चिंता व्यक्त की**, जिससे भारत ने अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखा।
- **कूटनीतिक वसिंतयियाँ:** वदिश नीति प्राथमिकताओं और वैश्विक संरेखण में अंतर ने कभी-कभी भारत-यूक्रेन संबंधों में घर्षण उत्पन्न किया है।
 - रूस के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी यूक्रेन के रूसी कार्यों के वरिोध के वपिरीत है, जिससे **कूटनीतिक संतुलन** की स्थिति उत्पन्न होती है, जो द्विपक्षीय संबंधों को जटिल बनाती है।

आगे की राह

- **रूस-यूक्रेन संघर्ष पर संतुलित दृष्टिकोण:** भारत को रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपना रुख सावधानीपूर्वक बनाए रखना चाहिये।
 - रूस के साथ अपने सामरिक संबंध बनाए रखते हुए, भारत को यूक्रेन की **संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता** के प्रति भी चिंता व्यक्त करनी

चाहिये।

- **सामरिक स्वायत्तता और गुटनरिपेक्षता:** भारत को अपनी सामरिक स्वायत्तता और **गुटनरिपेक्षता** की नीति पर ज़ोर देना जारी रखना चाहिये।
 - ऐसा करने से वह ऐसे भू-राजनीतिक संघर्षों में फँसने से बच सकता है जो सीधे तौर पर उसके राष्ट्रीय हितों की पूर्ति नहीं करते।
- **मानवीय सहायता एवं समर्थन:** भारत **मानवीय सहायता** एवं समर्थन प्रदान करके यूक्रेन के साथ अपने संबंधों को बढ़ा सकता है।
 - इसमें चिकित्सा सहायता, पुनर्नरिमाण सहायता और युद्धग्रस्त क्षेत्रों के पुनर्नरिमाण के लिये तकनीकी विशेषज्ञता शामिल हो सकती है।
- **मध्यस्थता और शांति पहल:** यदि अवसर मिला तो भारत रूस और यूक्रेन के बीच **मध्यस्थता** की पेशकश कर सकता है, क्योंकि दोनों देशों के साथ उसके अच्छे संबंध हैं।
 - इससे भारत एक ज़म्मेदार वैश्विक अभिकर्ता के रूप में स्थापित होगा और संघर्ष का शांतपूरण समाधान खोजने में मदद मिलेगी।
- **वैश्विक दक्षिण एकजुटता का लाभ उठाना:** भारत को अन्य **ग्लोबल साउथ** देशों के साथ मिलकर एक गठबंधन बनाना चाहिये जो यूक्रेन जैसे संघर्ष क्षेत्रों में शांति और विकास को बढ़ावा देना।

प्रश्न: रूस-यूक्रेन युद्ध के आलोक में भारत और यूक्रेन के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों की जाँच कीजिये।

प्रश्न. रूस-यूक्रेन युद्ध के आलोक में भारत और यूक्रेन के बीच सहयोग के संभावित क्षेत्रों की जाँच कीजिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वरित वरष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न: निम्नलिखित देशों पर वरिचर कीजिये: (2023)

प्रश्न. निम्नलिखित देशों पर वरिचर कीजिये: (2023)

1. बुल्गारिया
2. चेक रिपब्लिक
3. हंगरी
4. लातविया
5. लथुआनिया
6. रोमानिया

उपरोकृत में से कतिने देशों की सीमाएँ यूक्रेन की सीमा के साथ स्थलीय साझी हैं?

- (a) केवल दो
- (b) केवल तीन
- (c) केवल चर
- (d) केवल पाँच

उत्तर: (a)

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन-सा देश मोल्दोवा के साथ सीमा साझा करता है? (2008)

1. यूक्रेन
2. रोमानिया
3. बेलारूस

नीचे दिये गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

